खबर संक्षेप

थाना नैनपुर पुलिस की तत्परता से 12 घंटे में तीन नाबालिक बालिकाएं दस्तयाब

नैनपुर। दिनांक 13 जून 2025 को थाना नैनपुर में दो अलग-अलग स्थानों से तीन नाबालिक बालिकाओं के गुम होने की सूचना प्राप्त हुई। प्राप्त सूचनाओं की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रकरणों को विवेचना में लिया गया एवं नाबालिक बालिकाओं की शीघ्र दस्तयाबी हेतु टीमों का गठन किया गया। एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बलदेव सिंह मुजाल्दा के नेतृत्व में तीन पृथक-पृथक टीमें गठित की गईं। गठित टीमों द्वारा त्वरित प्रयास करते हुए दिनांक 14 जून 2025 को दो नाबालिक बालिकाओं को जिला नरसिंहपुर के तेंदूखेड़ा क्षेत्र से तथा एक अन्य बालिका को ग्राम कटिया मोहगांव, थाना किंदरई, जिला सिवनी से दस्तयाब किया गया। पूछताछ उपरांत तीनों बालिकाओं को सकुशल उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया। परिजनों द्वारा पुलिस की कार्यवाही की सराहना की गई। टीम में शामिल अधिकारी एवं कर्मचारियों में उप निरीक्षक सलमान कुरैशी, उप निरीक्षक निधि नेमा, सहायक उप निरीक्षक वंदना नाग, प्रधान आरक्षक शेख समद, आरक्षक सजल चकोले, अक्षय भलावी, नवीन, महिला आरक्षक सुमन, रीता, आरक्षक सुरेश भटेरे एवं सूर्यचंद बघेल सम्मिलित रहे, जिसमें सायबर सेल मंडला की विशेष भूमिका रही।

बच्चों को संस्कार के साथ देनी होगी धर्म की शिक्षा

शस्त्र और शास्त्र हमारी परम्परा

*** शस्त्र अपनी और दूसरों की रक्षा के लिये।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शनिवार को बंधन मैरिज लॉन में सनातनियों की महासभा का आयोजन किया गया। यहां पर सनातन महासंघ के संस्थापक गौतम खट्टर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। जिन्होंने सनातनियों से कहा कि धर्म, समाज और हिन्दूत्व के लिए काम करने वाला व्यक्ति ही सनातनी है। उन्होंने कहा कि सच के मार्ग में चलने के लिए अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सच की राह कठिन जरूर है लेकिन परिणाम संतोषकारी होते हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम हमे अनेक प्रेरणा भी दे रहा है। देश में ऊंच-नीच, जात-पात, छूआ-छूत के मकड़ जाल से हमे निकलना होगा। सनातनियों को एक मंच में आना होगा और भगवान राम के आदर्श का अनुशरण करते हुए काम करना होगा। उन्होंने कहा कि भागवत गीता के सार को जीवन में अपनाना चाहिए। ताकि धर्म और समाज के प्रति हमारे क्या कर्तव्य हैं इससे हम सीख सके। उन्होंने ने कहा कि बच्चों को धर्म और सांस्कृति के साथ संस्कार भी देने होंगे खासकर माताएं बच्चों को निडर निर्भय बनाएं शस्त्र हमारी परम्परा रही है और हर हिन्दू के घर में शस्त्र होना चाहिए। कार्यक्रम में उन्होंने सभी सनातनियों को एक होने की बात कही और धर्म को बचाने का आह्वान किया। अतिथियों ने सनातन धर्म का बखूबी ढंग से लोगों के बीच में बखान भी किया। उन्होंने मां दुर्गा भगवान भोलेनाथ, भगवान कृष्ण के अनेक प्रसांगिक उदाहरण देकर बताया कि किस तरह सनातनियों की रक्षा और सुरक्षा की जा सकती है उन्होंने कहा कि कोई भी भगवान आप की सुरक्षा नही कर सकता आप की सुरक्षा आपको खुद करनी होगी। भगवान केवल हमे मार्ग प्रदान करते हैं और उस मार्ग में चल कर हम अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं। आपको बता दें गौतम खट्टर सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर हैं। जो पिछले कुछ वर्षों से अपने वीडियो के ज़रिए सनातन धर्म व भारतीय संस्कृति का प्रचार-पसार कर रहें हैं। गौतम खट्टर ने यूट्यूब पर भारत में विदेशों से आकर रहने वाले कई नागरिकों का इंटरव्यू किया है जहां वे भारतीय सभ्यता व संस्कृति पर खुलकर बातचीत करते दिखाई पड़ते हैं। उनका उद्देश्य युवा वर्ग को अपनी संस्कृति के महत्व से अवगत कराना है। साथ ही गौतम एक ऐसे यूट्यूबर हैं जो भारतीय चिकित्सा पद्धति का लंबे समय से प्रचार-प्रसार में जुटे हैं। कार्यक्रम के पूर्व भारत माता के तैल्यचित्र पर दीप प्रज्वालित कर माल्यार्पण किया गया। मंच में हिन्दूवादी नेता गौतम खट्टर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। वहीं मंच में अतिथि के तौर पर सामाजिक कार्यकर्ता नीरज अग्रवाल, पंकज सोनी, आकाश चौरसिया एवं समाजसेवी श्रीमति ज्योति जायसवाल मंचासीन रही उपस्थित अतिथियों का अंग वस्त्र से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता अजय वंशकार ने कार्यक्रम की प्रस्तावना और रूपरेखा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि मंडला जिले में लगातार धर्मपरिवर्तन के मामले सामने आ रहे हैं। इसी के साथ हिन्दूत्व विरोधी गतिविधियां भी सक्रिय हो गई हैं ऐसे में जाने माने हिन्दूत्व विचारधारा के नायक गौतम खट्टर जी का उद्बोधन हमे प्रेरणा के साथ नई दिशा प्रदान करेंगा। इस दौरान रक्तदान करने वाले एवं समाजसेवियों का मंच से सम्मान किया गया। वहीं कार्यक्रम के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता नीरज अग्रवाल ने श्री खट्टर का परिचय कराते हुए कहा कि गौतम खट्टर एक युवा भारतीय पत्रकार, लेखक और यूट्यूबर हैं जो भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म पर अपने आकर्षक भाषणों के लिए जाने जाते हैं। कार्यक्रम समापन के पूर्व राष्ट्रगान किया गया। साथ ही अहमदाबाद में हाल ही में हुए प्लेन क्रेस दुख घटना पर दो मिनट का मौंनधारण करते हुए श्रृद्धांजलि दी गई।

हटाया गया नगर के बस स्टैंड का अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

कल बिछिया नगर परिषद और बिछिया प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बस स्टेड में फैले अतिक्रमणों को अलग करने नाली के ऊपर निर्माण कार्य कर दुकानों के सामने फालतू वाहन, फैलाकर दुकान लगाना जिससे यात्री वाहनों को आने जाने में रोज कई बार जाम लगता था, वही वट वृक्ष के आश पास फल फूल की मनिहारी दुकानदारों द्वारा फैला फैलाकर टेबिल लगा कर दुकानें लगाई जा रही थीं, जिस पर अनेकों बार बस एसोसियन ने शिकायत की आंदोलन भी किया मगर कुछ नहीं हुआ बसों का संचालन हाइवे मुख्य मार्ग से संचालित किया गया मगर समझौता वाली राजनीति के कारण कुछ नहीं हुआ एसडीएम बिछिया ने पूर्व से सभी को नोटिस जारी कर बिछिया तहसीलदार पुलिस प्रशासन और नगर परिषद के कर्मचारियों की सहयोग से बस स्टैंड की अतिक्रमण को हटाने में कामयाबी मिली आज सुबह तहसीलदार को फल फूल वाले दुकानदारों ने गाली गलौज किया अप शब्द बोले इसके बाद दिनभर पुलिस प्रशासन महिला पुलिस और नगर परिषद की कर्मचारीयो ने बस स्टैंड में टीनसेट सहित बट वृक्ष के आसपास की सभी दुकानों को हटा दिया शाम को एसडीएम के आदेश पर तहसीलदार और पुलिस प्रशासन ने मिलकर सभी दुकानों को बट वृक्ष के नीचे से अलग करवा दिया टीन सेट भी जो नाली के बाहर आ रही थी उन्हें हटवा दिए इस तरह हुई कार्यवाही से जहां बस स्टेशन ट्रैफिक जाम होने में परेशानी दूर होगी वहीं उन दुकानदारों जो मनिहारी दुकान रोज कमाना रोज खाना ठेला ठेलिया से संचालित करते थे अपनी रोजी-रोटी कमाते थे उन दुकानदारों के लिए दूसरा रास्ता नगर परिषद को सोचना चाहिए और ऐसा कोई स्थान या जगह देनी चाहिए जिससे उन दुकानों को संचालन किया जा सके और उनकी दुकान भी चलती रहे आए दिन बस स्टैंड से लेकर थाने तक दूसरे तरफ हाईवे पर रोड ट्रैफिक बंद होता था बंद ट्रैफिक के कारण आवागमन बाधित होता था जिससे आम पब्लिक को राह गीरों को बहुत परेशानियां होती थी प्रशासन को चाहिए की समय रहते बस स्टैंड की व्यवस्था को व्यवस्थित करें और भविष्य में इस तरह के अतिक्रमण न हो इसका भी ध्यान रखें हटाई गई दुकानदारों को उनकी व्यवस्था अनुसार दुकान के लिए जगह मुहैया कराई जाए जिससे उनका रोजगार चलता रहे। बस स्टेड के अतिक्रमण हटने के बाद देर शाम तक तयसीलदार बिछिया नगर परिषद के कर्मचारियों ने बट वृक्ष के आश पास फेनसिंग करवा दी जिससे दोबारा अतिक्रमण की कोई गुंजाइश ना रहे अतिक्रमण हटाने को लेकर तहसीलदार बिछिया नगर प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने सक्रियता दिखाते हुए कार्य किया।

चोरी गईं 8 मोटर साइकिलें बरामद, मंडला कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

थाना कोतवाली मंडला पुलिस द्वारा 08 चोरी की गई मोटरसाइकिलों को बरामद कर महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है। इस कार्यवाही के अंतर्गत 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया एवं 02 नाबालिग के विरुद्ध वैधानिक प्रक्रिया अनुसार कार्रवाई की गई है।

थाना क्षेत्र अंतर्गत महिष्मति घाट, रपटा घाट एवं नेहरू पार्क क्षेत्र से विगत दिनों में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं दर्ज की गई थीं। इन घटनाओं की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए एसडीओपी मंडला के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शफीक खान के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।

गठित टीम द्वारा सभी घटनाक्रम का विश्लेषण कर घटनास्थलों के निरीक्षण, तकनीकी विश्लेषण, स्थानीय सूचना संकलन एवं अन्य माध्यमों से सघन पड़ताल करते हुए संदिग्ध युवकों को पकड़ा गया। पकड़े गए युवकों से गहन पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने चोरी की घटनाओं में संलिप्तता स्वीकार करते हुए खुलासा किया कि वे अपने व्यक्तिगत शौक की पूर्ति हेतु मोटरसाइकिलों की चोरी करते थे। इनके कब्जे से 08 मो ट र सा इ कि लें बरामद की गईं जिसमें 02 बजाज पल्सर, 02 हीरो सुपर स्प्लेंडर, 01 हीरो स्प्लेंडर प्लस व 03 होंडा सीडी डिलक्स शामिल है।

गिरफ्तार आरोपियों मे समीर यादव पिता रूपचंद यादव, उम्र 18 वर्ष एवं आदित्य ठाकुर पिता अमर सिंह ठाकुर, उम्र 19 वर्ष, दोनों निवासी छोटी खैरी, थाना मंडला इसके अतिरिक्त, 02 नाबालिग अपचारी बालकों की संलिप्तता भी पाई गई है, जिनके विरुद्ध अधिनियम के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही की गई है।

उक्त कार्यवाही निरीक्षक सफीक खान के नेतृत्व में उप निरी. संजीव शर्मा, अशोक राणा, सउनि खेमराज राणा, गुलजार मार्को, प्रआर.उगेश सरोते ,बलवंत तेकाम, नारायण सिंगरौरे, पूरन इडपाचे, आरक्षक अमित गरयार, रमेश सिंगरौरे, रज्जन तेकाम, सुंदर भलाबी, रामचंद्र कुर्वेती, दिपांशु जंघेला, आशीष धुर्वे एवं सुरेश भटेरे सायबर सेल मंडला शामिल रहे।

सोसायटियों में नही है यूरिया डीएपी किसान परेशान

मण्डला। जिले की बहुत से ऐसी सोसायटियां है। जहां यूरिया खाद व डीएपी नही है। जो खाद उपलब्ध कराई गई थी वह बांटी जा चुकी है। पुनः खाद के लिए किसान सोसायटी के चक्कर काट रहे है।वर्तमान समय मे मुख्यालय के पास केहरपुर, मुनू, मण्डला, मलरा, हृदयनगर, घुघरी आदि सोसायटियों में यूरिया खाद व डीएपी नही है। जबकि खेरी गोदाम में अत्यधिक मात्रा में खाद उपलब्ध है। बताया गया कि खेरी गोदाम से केवल आधार कार्ड दिखा कर किसानों के अलावा वे लोग भी खाद लेकर जा रहे है जिनके पास खेती किसानी की भूमि नही है। ऐसे लोगो अपने क्षेत्र में खाद ब्लेक कर रहे है। ऐसी स्थिति में उन किसानों को भारी मुसीबत हो रही जो मण्डला से दूर ग्रामीण क्षेत्र के है क्योंकि खेरी गोदाम में उन्हें पूरे पूरे दिन खाद लेने के लिए बैठना पड़ता है।किसानों को खेरी गोदाम से अपने ग्रह ग्राम तक यूरिया खाद लेकर जाने में अतिरिक्त किराया का भार सहना पड़ रहा है। किसानों का समय भी खराब हो रहा है। जबकि शासन द्वारा हर 15 किलोमीटर की दूरी में सोसायटियां बनाई गई है प्रसासन को ध्यान देते हुए सभी 15 किलोमीटर की दूरी में स्थित समितियों सोसायटियों में यूरिया व डीएपी खाद उपलब्ध कराना चाहिए। जिससे किसानों को आसानी से खाद उपलब्ध हो सके।

निर्देश | सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें-संभागायुक्त।

सभी विभागों को ई-फाईलिंग करने के निर्देश

*** योजना भवन में विभागीय कार्यों की समीक्षा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

संभागायुक्त धनंजय सिंह ने कहा कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें। उन्होंने सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों में सभी विभागों को गहन समीक्षा करने को कहा तथा जिन क्षेत्र में सीएम हेल्पलाईन के अधिक प्रकरण दर्ज हो रहे हैं उन क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के संबंध में विभागों से विभिन्न स्तरों पर लंबित प्रकरणों की जानकारी ली और सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों में संतुष्टि पूर्वक निराकरण के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह शुक्रवार को जिला योजना भवन में विभागीय कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर अरविंद सिंह सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि सभी अधिकारी हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक अनिवार्य रूप से पहुंचाएं।

संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह ने खरीफ फसलों के लिए किसानों को मानक एवं गुणवत्ता पूर्ण खाद एवं बीज उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खरीफ फसलों के लिए खाद एवं बीज का विक्रय करने वाले दुकानों का नियमित रूप से निरीक्षण करें। अमानक खाद एवं बीज का विक्रय न हो सके। अमानक खाद एवं बीज के प्रकरणों में संगत नियमों एवं शासन निर्देशों के अंतर्गत कठोर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

संभागायुक्त श्री सिंह ने विभागों के द्वारा ई-फाईलिंग कार्यों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने सभी विभागों को ई-फाईलिंग अंतर्गत कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही ई-केवाईसी, ई-ऑफिस प्रणाली का क्रियान्वयन की भी विस्तृत समीक्षा की।

संभागायुक्त श्री सिंह ने आयोजित बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों की समीक्षा की। जिसमें उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नवीन खेत तालाब निर्माण, डगवेल रिचार्ज, अमृत सरोवर के कार्य, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई एवं जल चौपाल के संबंध में जानकारी ली।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिले में चल रहे बीजांकुर अभियान के बारे में जानकारी दी। संभागायुक्त श्री सिंह ने आयोजित बैठक में इसके बाद जिले में स्वामित्व योजना की प्रगति, ईकेवाईसी की प्रगति, तथा आरसीएमएस के कार्यों की समीक्षा की।

राजस्व विभाग के अधिकारियों को नामांतरण, सीमांकन एवं बंटवारा के लंबित प्रकरणों का मिशन मोड में निराकरण के निर्देश दिए। उल्लखेनीय है कि संभाग आयुक्त द्वारा राजस्व प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जा रही है।

सहकार भारती के 3 संभाग के जिला पदाधिकारियों की बैठक हुई संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

13 एवं 14 जून को दो दिवसीय बैठक का आयोजन अग्रसेन मंदपम अहिंसा चौक विजय नगर जबलपुर में सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय पांचपोर, राष्ट्रीय मंत्री एवं मध्य क्षेत्र प्रमुख दिलीप दादा पाटिल, प्रदेश संगठन मंत्री राधेश्याम जलक्षत्री, प्रदेश महामंत्री राकेश चौहान के नेतृत्व में संपन्न हुई। प्रमुख वक्ता के रूप में आमंत्रित राष्ट्रीय संगठन मंत्री ने अपने उद्बबोधन में सबको कहा- मध्य प्रदेश के हर जिले में संचालित कितने प्रकार की सहकार समितियां हैं और उनकी कितनी संख्या है इस हेतु हर जिले के प्रमुख पदाधिकारी पूरी कार्यकारिणी को स्पष्ट जानकारी होनी ही चाहिए। जानकारी के अभाव में जरूरत पड़ने पर सूचना के अधिकार के माध्यम से जानकारी लिया जाना जरूरी है। स्पष्ट जानकारी के पश्चात ही सहकार भारती की जिला कार्यकारिणी उनके हित में कार्य कर सकेगी। उनसे संपर्क कर उनकी समस्याओं का दस्तावेजीकरण किया जाना जरूरी है और उनकी समस्या के समाधान के लिए सब एकजुट होकर नियमित मासिक लक्ष्य बनाकर कार्य किया जाना चाहिए। जब सहकारिता के क्षेत्र से जुड़े लोगों की समस्या का समाधान आप करेंगे आपके जिले के बड़ी संख्या में लोग सदस्यता लेकर आपके कार्यों में जुड़ेंगे आपकी मदद भी करेंगे। क्योंकि आर्थिक संपन्नता सहकारिता से ही संभव है। शासन ने भी इस क्षेत्र में नया निवेश कर सहयोग राशि को कई गुना ज्यादा आवंटित किया है। जरूरत है तो सिर्फ हमको संगठित होकर शासन की योजना का लाभ लेने की। उन्होंने यह भी बताया मध्य प्रदेश में अभी 12 प्रकोष्ठ प्रमुख की नियुक्ति हो चुकी है । हर जिले में भी प्रकोष्ठ प्रमुख की नियुक्ति किया जाना आवश्यक है। उनके साथ 10- 15 साथियों को जोड़कर उनकी टोली बनाना है। उनकी कार्यकारिणी नही बनेगी हर प्रकोष्ठ का सिर्फ एक प्रमुख होगा जो अपनी टोली के साथ उनके हित के लिए कार्य करेगा। बैठक में तीन संभाग मुख्य पदाधिकारियों ने अपने क्षेत्र की समस्याओं को अवगत कराया प्रदेश कार्यकारिणी ने मदद का आश्वासन दिया।

खबर संक्षेप

प्रशासन की अनदेखी दे सकती है बारिश के दौरान बड़ी घटना को अंजाम

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शासन प्रशासन हर वर्ष वृक्षारोपण अभियान के नाम पर लाखों रूपए पानी की तरह बहाया जाता है। वही कुछ संस्थाएँ ऐसी भी है जो शहर मे विशिष्ट राजनीतिक हस्तियों की आगमन की खबर से हरकत मे आकर प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर वृक्षारोपण प्रयास करती है, लेकिन हकीकत है कि पूर्व मे शहर मे लगाये गए वृक्षों की हिफाजत करने मे कोताही बरती गयी है, जिसका परिणाम है कि हाल के वर्षो मे लगाये गए बहुत से वृक्ष सूख गए है तथा हरियाली को लेकर शासन की मंशा पूरी होते हुए कही दिखाई नही दे रही है? विडम्बना की बात है कि यहाँ का लोक निर्माण विभाग, वन विभाग अपनी जमीन पर वर्षो से सीना तानकर खड़े पुराने वृक्षों की सुरक्षा को कोई पहल नही कर रहा है। सूत्रों की माने तो पहले शासन की जमीन पर सड़को के दोनो किनारें लगे जो वृक्ष आंधी, बारिश मे धराशायी हो गए थें उनकी कई महीनों तक कोई सुध नही ली गयी और उनकी लकड़ी तक गायब हो गयी। कुछ इसी प्रकार का हाल लोक निर्माण की भूमि पर लगे हुए वृक्षों का जान पड़ रहा है जानकारी के अनुसार अनेक जगहों पर लोक निर्माण की उसकी जमीनों पर लगे पुराने पेड़ो को चिन्हित करने मे बरती गयी लापरवाही के कारण हुई है। गौरतलब है वर्तमान मे भी पी.डब्लू.डी. की जमीन पर बड़ी संख्या मे आम, इमली, सागौन के पुराने वृक्षों का आस्तित्व है, जाहिर है इनमे से कुछ ऐसे वृक्ष भी है जो उम्र दराज होने के साथ साथ हर बरसात मे उनके अचानक गिरने की आशंका बनी रहती है इसलिए सम्बंधित विभाग की जबावदारी है कि ऐसे पुराने वृक्षों के कटवाने की व्यवस्था करें ताकि ये किसी दुर्घटना का सबब नही बने, वृक्षों को चिन्हित न करने के बारे मे यह सच्चाई भी सामने आयी है कि उक्त पुराने दरख्तों के तनों पर नियमानुसार हेमर लगाने की व्यवस्था नही की गयी है, जिसका नतीजा है कि लोगों द्वारा इन पर कुल्हाड़ियाँ चलाने मे कोई संकोच नही किया जाता, ऐसा भी मिसालें पहले मिल चुकी है कि शासन की जमीन पर लगें अनेक पुरानें वृक्ष बेरहमी से काट डाले गए। आमजन अकारण उनकी सुख देने वाली छाया से वंचित रह गए। लेकिन आश्चर्यजनक बात है कि इसके बाद भी प्रशासन का अमला सचेत नही हुआ और पुराने वृक्ष असुरक्षित होते चले जा रहे है, इस तारतम्य मे जरूरी कहा जा रहा है कि नपा.की भूमि पर मुख्य मार्गो के किनारे जो सर्वाधिक पुराने पेड़ अविकसित स्थिति मे हैं उनके कटवाने की व्यवस्था कर उनके स्थान पर नए वृक्ष लगवाना चाहिए। लोक निर्माण विभाग से अपेक्षित है कि फिलहाल उसकी जमीन पर जों पुरानें पेड़ खड़े है उनमें हेमर लगवाकर उनकी सुरक्षा का प्रबंध करना चाहिए।

बिजली विभाग की उदासीनता से झूलते हुये बिजली तारों का खमियाजा भुगतने मजबूर होते हैं किसान

हरिभूमि न्यूज/ कल्याणपुर। जिस प्रकार से देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा एक ओर अपने बिजली बिलों की बसूली को लेकर तो सभी प्रकार के माप दंडों का उपयोग करते हुए किसानों से पैसा बसूने में उनके घरों में रखी हुई सामग्री तक जप्त करने से नही चूक रही है? मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा अपनी विद्युत लाईनों के रख रखाब की ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने के कारण प्रति वर्ष क्षेत्र के किसानों को बिजली विभाग की लापरवाही के चलते आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। क्योंकि बिजली विभाग की उदासीनता का परिणाम है कि किसानों के खेतों से निकली हुई बिजली लाईनों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि वह वर्षो पुरानी होने के कारण उनके तार झूला के समान झूलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

किशोरों सहित युवा अपने पिता का पूजन करते हुए जिन्दगी भर सेवा करने देगे भरोसा

आज फादर्स डे: घरों में देखने मिलेंगे खुशियों के रंग, बच्चों द्वारा अपने पिता के सपनों को साकार करने के लिए समर्पित रहने का लेंगे संकल्प

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

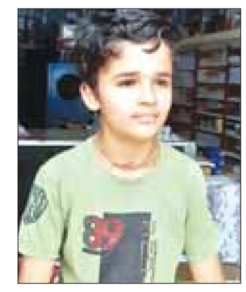

भारतीय संस्कृति में बच्चों को जन्म देकर उनका स्नेह से पालन पोषण करने वाली माँ का जितना महत्व बताया गया है। उसी तरह किसी बच्चें को संस्कार वान बनाते हुये उन्हें आत्म निर्भर करने के साथ समाज व देश की सेवा करने के लिए सक्षम बनाने में उसके पिता की भूमिका को भी महत्वपूर्ण माना गया है। क्योंकि किसी बच्चे की जिन्दगी को संभालने में उसके माता पिता का ही महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। इसलिये कहा जाता है कि हर बच्चा अपने पिता के नक्से कदमों पर चल रहा है। क्योंकि जो गुण कभी पिता में रहते है वही गुण हर बच्चें में देखने मिलते है और यही कारण है कि खून का रिस्ता कभी झूठा नही होता है। मगर अनेक युवा इस भौतिक बादी युग की चपेट में आ जाने के कारण न तो माता पिता द्वारा दिये जा रहे संस्कारों का ध्यान रख रहे है और ना ही उन्हें वह सम्मान दे पा रहे है जिसके वह वास्तविक रूप से हकदार होते है। यदि किसी युवा जो इस दुनिया में आने के बाद सफलताएं हासिल करता है तो उसके पीछे पिता के संस्कार ही छीपे होते है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो हर किशोर तथा युवा व व्यक्ति को इस दुनियां में लाने वाला पिता ही होता है। यदि पिता नही होता तो वह व्यक्ति इस दुनिया में ही नही होता जो अपने पिता को भुलाकर हर सफलता को अपनी ही उपलब्धि समझने की भूल करने से नही चूक रहा है? यदि व्यक्ति की जिन्दगी की सच्चाई पर गौर किया जावे तो किसी भी व्यक्ति के लिये सबसे बड़ा भगवान उसके माता पिता ही होते है। इसी के चलते आज 15 जून को फादर्स डे पर शहर के घरों में सुखियों के रंग बिखरे हुये नजर आवेगे। वही आज फादर्स डे के मौके पर बच्चों, युवाओं ने उन्हें संरक्षण देने वाले तथा ससत आशीष देकर उनका हौसला बढ़ाने वाले अपने बेटों की जिन्दगी संभालने के लिये अपना सब कुछ दाव पर लगा देने वाले किशोरों से लेकर युवा अपने पिताओं से जुड़ी यादों में डूबते हुए उनके चरण स्पर्श कर अपने पिता का आर्शीवाद प्राप्त करने के साथ साथ उनके सपनों को साकार बनाने का संकल्प लेने से नही चूकेगें। आज अनेक युवाओं ने अपने घरों में माता पिता के चरण धोते हुये उनका सदा ही आदर करने का निर्णय लेने के साथ जिन्दगी भर उनकी सेवा करने का भी भरोसा देने से नही चूकेगें। इस प्रकार से आज फादर्स डे (पिता दिवस)पर आमजनों ने उनका जीवन संवारने वाले अपने पिताओं से जुडे संस्मरण दोहराते हुए अपने बच्चों को प्रेरित किया कि वे अपने माँ बाप के संघर्ष, त्याग और स्वयं सुख, सुविधाओं का त्याग कर परिवारजनों को खुशहाल बनाने में जुटे माँ बाप को जिन्दगी में कभी न भूले और उनके नक्शे क दम पर चलने का प्रयास करते हुए अपने पिता को नाम रोशन करे। हरिभूमि टीम ने फादर्स डे को लेकर आमजन से चर्चा की गई तो शहर के अनेक युवाओं की प्रतिक्रिया में अधिकतर किशोर व नौजबनों का कहना था कि जीवन के संग्राम में उतरने से पहले उनके पिता जो सुविधाएं, संबल, मार्ग दर्शन के साथ इस दुनिया दारी की समझ देते है उसके जरिये उनको जीवन में आगे बढ़ने की नई राहे मिल जाती है। क्योंकि दुनिया में किसी बच्चें को सही राह दिखाने वाला सदा उसका पिता ही होता है, जो हर परेशानियों को झेलते हुए बच्चें के भविष्य का उज्जबल बनाने में कोई कसर नही छोड़ता है। इस संबंध में नगर के आयुष भार्गव का कहना है कि आमतौर पर हर बच्चें व युवा पिता मशक्कत से अपनी गृहस्थी की गाड़ी खीचते है। मगर इसके बाद भी बच्चों को अपनी हैसियत से भी बढ़कर सुविधाएं देने से नही चूकते है। बच्चों के प्रति उनकी मात्र एक चाहते होती है कि उनके बच्चे खूब पढ़ लिखकर शालीन, सभ्य नागरिक बने, मेरे मत से फादर्स डे पर बच्चों व युवाओं को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे अपने पिता जी को खुश रखते हुए उनके सपनो को साकार करने में हर क्षण का उपयोग करे। इसी प्रकार से नगर दिव्यांश पुरी गोस्वामी का कहना है कि माँ का प्यार अनमोल और पिता की छत्रछाया पुत्र के लिये जीवन भर यादगार होती है। क्योंकि हर पिता अनेक कठिनाईयों झेलते हुये पुत्र को खुद से भी आगे बढ़ते हुये देखने की उम्मीद रखता है। जिस तरह पिताजी द्वारा हम भाई बहिनों की परवरिश करते हुये सत्य के मार्ग पर चलने का संस्कार दिया गया है उस ऋण को उतारवाना संभव नही हो सकता है.., बस जरूरी यह है कि में सदा उनका अदर सेवा करता रहू। वही इंटरनेशनल फादर्स डे पर स्वाभविक है कि युवाओं के पिता उनसे बड़ी उम्मीदे करेगे इस लिहाज से आवश्यक है कि सभी युवा अपने पिता की भावनाओं का सम्मान कर उन्हें उपहार के रूप में सपनों को साकार करने समर्पित होते हुए संकल्प ले। इसी प्रकार से समीपस्थ ग्राम बारहाबड़ा निवासी यश सोनी का कहना है कि पिता निश्छलता, प्यार की प्रति मूर्ति होने के साथ साथ अपने दायित्वों के प्रति सचेत रहते है। क्योंकि माँ तो केवल अपने बच्चों की देख भाल करने तक सीमित रहती है पर पिता पर बच्चों की जिंदगी संभारने की जबाबदारी होती है कोई भी पिता बाहरी दुनियां से लेस होता है। इसलिए मेरा मानना है कि बिना हठधर्मि किये बच्चों को अपने पिताश्री की सीख मानते हुए सफलता के मुकाम पर कदम आगे बढ़ाना चाहिए। क्योंकि सदा ही पिता अपने बच्चों को आगे बढ़ते हुये देखना चाहता है। इसलिये मेरे किशोर साथियों को फादर्स डे पर यही संदेश है कि कभी माता पिता का दिल नही दुखाना चाहिये। वही नगर इंद्रा वार्ड निवासी बासुदेव कौरव का कहना है कि कोई भी पिता अपने बच्चों के भविष्य के लिए मुस्काराते हुए चिंतित रहता है जब बच्चें या युवा परीक्षाओं में अच्छे अंक लाते है और खेलो में बेहतर प्रदर्शन करता है या जीवन में आगे बढ़ता है तो वह पिता ही है जिसका सीना खुशी से फूल जाता है, जिसकी आंखों में खुशियो के सितारे दमकने लगते है। आज फादर्स डे पर युवाओं को चाहिए कि वे अपने पिताओं को आश्वस्त करे कि वे मेहनत से अपना कैरियर बनाकर देश, प्रदेश के विकास में सहभागी बनेगे। इस प्रकार से आज फादर्स डे के अवसर पर जब हरिभूमि ने नगर के अलग अलग युवाओं से चर्चा की गई तो उनके द्वारा फादर्स की भूमिका को जिन्दगी संभालने में अहिम स्थान दिया गया है।

समर्थन मूल्य पर मुख्यमंत्री की घोषणा के उपरांत समाप्त हुआ सुनीता पटैल का धरना, क्षेत्र की जनता के सहयोग पर जताया आभार

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

सदा ही अपने क्षेत्र की जनता हो या फिर किसानों के हितों की लड़ाई में आगे रहने वाली सुनीता पटैल द्वारा किसानों की मूंग फसल को लेकर अपना पुराना रूप धारण करने में देर नही की गई है। ज्ञात हो कि किसानों द्वारा गर्मी सीजन में पैदा होने वाली मूंग फसल को सरकार द्वारा हर साल समर्थन मूल्य पर खरीदते हुये किसानों को लाभ पहुंचाया जाता था। मगर इस वर्ष आधा जून माह निकल जाने के बाद भी सरकार द्वारा किसानों की मूंग फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदने के लिये किसी तरह से न तो घोषणा की गई थी और न ही प्रक्रिया शुरू की गई थी। वही क्षेत्र के अन्नदाता किसानों को उम्मीद थी कि शायद जब प्रदेश के मुख्यमंत्री का बीते हुये सप्ताह 9 जून को गाडरवारा आगमन हो रहा था तो उस समय मुख्यमंत्री द्वारा समर्थन मूल्य पर मूंग फसल खरीदने की घोषणा की जावेगी और उनकी सभा में क्षेत्र के किसान इसी उम्मीदों को लेकर भारी मात्रा में पहुंचे हुये थें। मगर मूंग फसल को खरीदने के लिये किसी तरह की कोई घोषणा नही होने से किसानों के चेहरों पर जहां मायूसी के बादल मड़राने से नही चूक पा रहा थें। वही दूसरी क्षेत्र के पूर्व विधायक व कांग्रेस नेत्री सुनीता पटैल द्वारा पहले की घोषणा कर दी थी कि यदि 9 जून को मुख्यमंत्री द्वारा समर्थन मूल्य पर मूंग फसल खरीदने की घोषणा नही की जाती है तो 10 जून से उनके द्वारा किसानों के हितों की लड़ाई लड़ने के लिये अनिश्चित कालीन धरना दिया जावेगा। सुनीता पटैल द्वारा अपने वादें के मुताबिक 10 जून से मंडी गेट के सामने अपना अनिश्चित कालीन धरना शुरू कर दिया गया था। वही दूसरी ओर प्रदेश के अन्य शहरों में भी किसानों द्वारा लगातार मूंग फसल की खरीद करने की मांग करते हुये रैली व सरकार का विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया गया था। इसके बाद बीते हुये शुक्रवार को जब प्रदेश सरकार द्वारा किसानों की मूंग फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदने की घोषणा करते हुये 19 जून से पंजीयन कराने का ऐलान किया तो अनेक किसानों के चेरहों पर खुशी दिखाई देना शुरू हो गई। वही दूसरी ओर क्षेत्र की पूर्व विधायक श्रीमती सुनीता पटेल के नेतृत्व में चल रहे अनिश्चितकालीन धरने का पांचवें दिन शनिवार को सरकार द्वारा मूंग फसल खरीदने के लिये घोषणा के बाद अनिश्चित कालीन धरने का समापन किया गया। ज्ञात हो कि क्षेत्र वासियों की समस्याओं सहित किसानों की परेशानी को लेकर सुनीता पटैल द्वारा सदा ही लड़ाई लड़ते हुये देखा जाता है। इसी प्रकार से इस लड़ाई में भी उनके द्वारा सबसे पहले कूंदकर शुरू किये गये अनिश्चित कालीन धरने में तेंदूखेड़ा विधायक संजय शर्मा के साथ साथ कांग्रेस नेता गौतम सिंह पटैल सहित अन्य कांग्रेस के पदाधिरियों के आलवा क्षेत्र के किसान व आम जनता का पूरा समर्थन मिलते हुये देखा जा रहा था। वही पूर्व विधायक सुनीता पटेल ने अनिश्चित कालीन धरना के समापन के अवसर पर कहा कि किसानों सहित आम लोगों ने अन्नदाता की इस लड़ाई में जिस तरह मेरा समर्थन दिया गया है वह उल्लेखनीय है। मगर यदि सरकार द्वारा किसानों की मूंग फसल खरीदने की घोषणा यदि पहले ही कर दी गई होती तो उन छोटे किसानों को भी लाभ मिल जाता जिन्होने मूंग फसल तैयार करने के लिये कर्ज लेकर दुकानों से खरीदी गई सामग्री के पैसा चुकाने के लिये अपनी मूंग फसल को ओने पोने दामों में विक्रय करने के लिये मजबूर होना पड़ा है। वही श्रीमति सुनीता पटैल का कहना है कि बडे ही चिंता की बात है कि जब प्रदेश के मुख्यमंत्री का गाडरवारा आगमन हुआ था तो मंच इस तरह भरी हुई थी और नेताओं द्वारा अपने आपकों किसान हितैषी बताने से नही चूक रहे थें। मगर किसी भी नेता द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष के किसानों की मूंग फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदने की बात कहना तो दूर मूंग शब्दा का उच्चरण करना तक उचित नही समझा गया था। वही दूसरी ओर जब क्षेत्र के किसान अपनी मूंग फसल के उचित दाम मांगने के लिये मुख्यमंत्री की राह देख रहे थें तो उनके ऊपर भी पुलिस का पेहरा दिखाई देने से नही चूक रहा था..? इस प्रकार से अनिश्चितकालीन धरना समापन के मौके पर पूर्व विधायक दीनदयाल ढिमोले, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत, शैलेंद्र दीवान, जिला किसान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संतोष पटेल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दिग्विजय सिंह , छोटे राजा कौरव, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष अभिषेक पटेल, महिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संगीता जायसवाल, कांग्रेस नेता अशोक क्राबरा, सुरेंद्र पटेल मझले भैया, शिवकुमार नीखरा, राजीव दुबे, मुकेश गुप्ता बंटू ,भानू दीक्षित , उमा गुप्ता , सतीश सैनी, प्रकाश चौरसिया, अवधेश रूसिया, राव सुरेंद्र सिंह ,मनीष भिंडवार, राजदीप दुबे, रतनदीप जायसवाल, हरिसिंह अहिरवार, एडवोकेट सत्यबती, मनीष कौरव, सुनील दुबे सहित कांग्रेस मोर्चा संगठनों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। धरना स्थल से सभी लोग जुलूस की शक्ल में निकलते हुये राठी तिराहे पर स्थित श्री हनुमान मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चन करते हुये धरना समाप्त करने की घोषणा की गई।

कौरव सेवा समिति द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन आज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समाज सहित अपने क्षेत्र का नाम रोशन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करने का निर्णय जिस तरह बीते हुये दो वर्ष पहले कौरव सेवा समिति द्वारा लिया गया था। उसके चलते लगातार तीसरे वर्ष कौरव सेवा समिति द्वारा प्रतिभाओं के सम्मान समारोह का आयोजन आज 15 जून दिन रविवार को दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक नगर के रॉयल पैलेस भवन में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार संपूर्ण नरसिंहपुर जिले के कौरव समाज की उन प्रतिभाओं को सम्मानित किया जावेगा जो हाल की में घोषित किये गये कक्षा बारहवी में मध्य प्रदेश व सेन्ट्रल वोर्ड परीक्षा 2025 में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करते हुये समाज का नाम रोशन किया है। इसके आलवा वर्ष 2024-25 में सरकारी नौकरी प्राप्त करने वाली प्रतिभाये तथा न्यू स्टार्टअप 2024-25 के माध्यम से सफलता हासिल करने वाली कौरव समाज की सपूर्ण प्रतिभाओं को कौरव सेवा समिति द्वारा बीते दो वर्षो की तरह इस वर्ष भी सम्मानित करने जा रही है। इस आयोजन को लेकर मुख्य आयोजक कर्ता राजेश कौरव राजू भैया चारगांव वालों ने अपनी चर्चा के दौरान बताया कि हमारी समिति द्वारा आयोजित किये जाने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुये उनका हौसला बढ़ाने के साथ साथ आयोजन में शामिल होने से एक दूसरे के बीच जान पहचाने का बढ़ावा देना होता है। क्योंकि देखा जाता है कि समाज के बच्चें कक्षा बारहवी के बाद जब बाहर पढ़ने के लिये जाते है मगर एक दूसरे को जानते पहचानते तक नही है। इस आयोजन के माध्यम से जब बच्चें एकत्र होते है तो एक दूसरे के मुलाकात होती है और आगे पढ़ाई के क्षेत्र के क्या करने की तैयारियाँ की जाने इस संबंध में चर्चाओं के माध्यम से एक दूसरे को मार्ग दर्शन भी प्राप्त होता है।

चीचली में दीवार लेखन के माध्यम से दिया जल संरक्षण व संवर्धन का संदेश

हरिभूमि न्यूज/चीचली। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में विकास खंड की नवांकुर संस्था माही सामाजिक विकास संस्थान ने चीचली में दीवार लेखन के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया। बताया जाता है कि दीवार लेखन के माध्यम से नागरिकों को पानी की रक्षा- देश की सुरक्षा, माता भूमि- पिता पानी, यही कह रही गुरवानी, हम सबने ठाना है- पानी को बचाना है आदि प्रेरक नारों के माध्यम से जल संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 30 जून तक चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले की विभिन्न ग्रामों व पंचायतों में जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में दीवार लेखन के माध्यम से नागरिकों को जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है। जल संरक्षण व संवर्धन के लिए दीवार श्लोगन लेखन के माध्यम से लोगों को जल के महत्व व उसके समुचित उपयोग का संदेश दिया। साथ ही जल के संरक्षण व संवर्धन के लिए प्रेरित किया गया।

सूने घर में सेंध लगाते हुये अज्ञात चोरों ने पार की नगदी सहित अन्य सामग्री

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस नगर की चंद्रशेकर कालोनी निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मै चंद्रशेखर कालोनी वार्ड न.03 मकान 574 गाडरवारा में परिवार सहित किराये से रहता हूँ मेरी कृषि उपकरणो की अनुराग इंटरप्राइजेश नाम से दुकान है। बीते हुये दिनों मेरी दादी का देहांत हो जाने के कारण मै अपने परिवार सहित गांव खैरी कामती गया हुआ था। इसके बाद मेरे पडौसी रेवाराम कौरव के द्वारा मुझे फोन कर सूचना दी कि घर के गेट खुले हुए है जिसके बाद मेरे द्वारा आकर देखने पर मुझे मेरे घर के बाहर तीनो गेट के ताले एवं उनके हेंडल टूटे हुए मिले घर में बेड के ड्रोज में एक सोने की अंगूठी,एक वन प्लस कम्पनी का मोबाइल जो मेरे घर में रखे हुए थे साथ ही घर में एक लाख रूपये कैश रखे हुए थें। उक्त समान व पैसे ढूडने पर नही मिले। इस तरह अज्ञात चोरों द्वारा प्रार्थी के घर के अंदर रखे हुये सोने चांदी के जेबर सहित मोबाईल फोन व नगदी रूपया अज्ञात चोरों द्वारा पार किये जाने पर प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

क्षेत्र में करोड़ों की राशि से बनी हुई नहरें साबित हो रही अनुपयोगी, सुधार के लिये नहीं की जा रही कोई पहल, निर्माण के औचित्य पर खड़े हो रहे सवाल...

हरिभूमि न्यूज/खुलरी। सरकार द्वारा किसानों को सुविधाएं प्रदान करने के लिये किसी योजना के नाम पर यदि करोड़ो रूपया खर्च किये जाते है और उन सुविधाओं का जब जरूरत पड़ने पर उपयोग न हो सके तो निश्चित वह मात्र दिखावा साहित होने से नही चूकते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र में बनी हुई और क्षेत्र में बनी हुई नहरे मात्र शोभा की सुपारी साबित होने से नही चूक पा रही है? क्योंकि जिस प्रकार से कुछ वर्ष पहले शासन द्वारा क्षेत्र में किसानों की भूमि का अधिग्रहण करने के साथ साथ करोड़ो की राशि खर्च करते हुये नहरों का निर्माण कराया गया था तो क्षेत्र के किसानों में इस बात की खुशी देखने मिल रही थी कि अब उन्हें अपने खेतों में सिंचाई करने के लिये पानी की समस्या से नही जूझना पड़ेगा। मगर क्षेत्र के किसानों की यह सोच मात्र एक सपना साबित होने से इसलिये नही चूक पा रही है। क्योंकि जब किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई करने का समय आता है तो बरगी नहर प्रबंधन द्वारा नहरों में पानी ही नही छोड़ा जाता है, जिसके चलते करोड़ो की राशि से बनी हुई क्षेत्र की यह नहरे जहां अनुपयोगी साबित होने से नही चूक पा रही है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय देखा जा रहा है कि पड़ रही भीषण गर्मी के दौरान किसानों के खेतों में लगी हुई गन्ना व गर्मी का सोयाबीन सहित अन्य फसल को पानी देने की जरूरत पड़ रही है। वही दूसरी ओर जिन किसानों द्वारा अपने खेतों में मूंग फसल की गई है उसमें भी पानी देने की जरूरत होने के कारण किसान अपने खेतों में बने हुये नलकूपों के भरोसे तो सिंचाई कर रहे है। मगर इस जहां जमीन का जल स्तर नीचे की ओर गिर जाने के कारण किसानों के नलकूप पर्याप्त मात्रा में पानी नही दे पा रहे है। क्योंकि इस समय भले ही सरकार से लेकर बिजली विभाग द्वारा क्षेत्र के किसानों को सिंचाई हेतु 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराये जाने की बात कही जा रही हो मगर सच्चाई गांवों में देखने मिल रही है जहां पर क्षेत्र के किसान दिन रात करते हुये अपने खेतों में डेरा जमाय रहे है जिन्हें मुश्किल से चार पांच घंटे ही बिजली मिल पा रही है। इस स्थिति में निश्चित तौर से किसानों के खेतों में लगी हुई फसलों को पानी नही मिलने से वह खराब होते हुये दिखाई देने लगी है। मगर इस दौरान भी इन नहरों से पानी नही छोड़ा जाना निश्चित तौर से इन नहरों के महत्व को समाप्त करने से नही चूक पा रहा है? यदि इन नहरों में पानी छोड़ दिया जावे तो निश्चित ही जहां क्षेत्र के किसानों की फसलों को पानी मिल सकता है। वह दूसरी ओर जमीन के गिरते हुये जल स्तर में भी सुधार आ सकता है। इस स्थिति में क्षेत्र में बनी हुई करोड़ो की लागत की नहरे क्षेत्र के किसानों के लिये औचित्य हीन साबित होते हुये जान पड़ रही है। वही दूसरी ओर क्षेत्र में बनाई गई इन नहरों के निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता की सच्चाई पर गौर किया जावे तो निश्चित ही विभाग की उदासीनता के चलते जिस प्रकार से निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा इन नहरों का निर्माण कार्य किया गया है उसके चलते लगातार टूटते हुये दिखाई दे रही है जिससे क्षेत्र की नहरे अपने निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता की कहानी के साथ साथ उन अधिकारियों की कार्य प्रणाली को भी उजागर करने से नही चूक रही है जिनकी देख रेख में इन नहरों का निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया था? क्योंकि जहां शासन द्वारा नहरों के निर्माण के लिये क्षेत्र के सैकड़ो किसानों की भूमि अतिग्रहण करते हुये करोड़ो की राशि खर्च कर क्षेत्र में नहरों का निर्माण कराया गया है, मगर इस समय क्षेत्र के किसानों को जरूर पड़ने पर पानी नही छोड़े जाने के कारण क्षेत्र के किसानों के लिये यह नहरे अनुपयोगी साबित होते हुये दिखाई देने लगी है। क्योंकि जरूरत के समय यदि किसानों को इन नेहरों का लाभ नही मिल पा रहा है तो फिर क्षेत्र में इन नेहरों के बनाये जाने का महत्व अपने आप ही समाप्त हो जाता है। इस सच्चाई को ध्यान में रखते हुये क्षेत्र के किसानों द्वारा जिला कलेक्टर से मांग की गई है कि शीघ्रता से ही गाडरवारा तहसील क्षेत्र की नेहरों में पानी छोड़ने के लिये संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुये किसानों को इस परेशानी की घटी में सहायता प्रदान कराई जावे जिससे किसान अपनी फसलों को बचाने में सफल हो सके।

खबर संक्षेप

साल से फरार वारंटी को किया गिरफ्तार

डिंडौरी। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे वारंटियों की धरपकड़ अभियान के अंतर्गत डिंडौरी जिले की समनापुर पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। करीब 09 वर्षों से फरार चल रहे स्थायी वारंटी को समनापुर पुलिस ने विशेष टीम बनाकर गिरफ्तार कर लिया। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में 13 जून 2025 को गठित टीम ने जिले के चर्चित फरार आरोपी रविन्द्र उर्फ बूटा सोनी पिता स्व. प्रदीप सोनी, उम्र 31 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 12, समनापुर को छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले से गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध डिंडौरी न्यायालय से निम्न 5 मामलों में स्थायी वारंट जारी थे— अपराध क्रमांक 294/16 - धारा 461 भा.दं.वि. अपराध क्रमांक 345/16 - धारा 457, 380, 411, 34 भा.दं.वि. अपराध क्रमांक 383/16 - धारा 457, 380, 34 भा.दं.वि अपराध क्रमांक 4/17 - धारा 457, 380, 411, 34 भा.दं.वि. अपराध क्रमांक 385/16 - गिरफ्तारी वारंट।आरोपी वर्ष 2016 से फरार था। समनापुर पुलिस द्वारा लगातार सुराग लगाते हुए आखिरकार दरम्यानी रात उसे बिलासपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी की सूचना आरोपी के बड़े भाई को दी गई तथा उसे माननीय न्यायालय डिंडौरी में प्रस्तुत किया गया।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक कामेश कुमार धूमकेती, प्रधान आरक्षक सहमेन सिंह मरावी प्रआर 175, राजेश मरावी प्रआर 183, और कृष्णपाल सिंह प्रआर 297 की अहम और सराहनीय भूमिका रही।

डिंडौरी के युवा इन्फ्लूएंसर योगेश तेकाम को पर्यटन विभाग ने किया सम्मानित

डिंडौरी । आदिवासी बाहुल्य डिंडौरी जिले की लोकप्रिय डिंडौरी व्यू फेसबुक और इंस्टाग्राम सोशल मीडिया के युवा इन्फ्लूएंसर्स योगेश कुमार तेकाम को मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम में जनजाति समुदाय की संस्कृति और परंपरा को प्रमुखता से प्रसारित करने के प्रयासों की सराहना करते हुए सम्मानित किया गया। इसके पहले भी सीएम इन्फ्लूएंसर मीट, ट्राइबल इन्फ्लूएंसर डिजिटल मार्केटिंग वर्कशॉप में योगेश तेकाम को सम्मानित किया गया था। कार्यक्रम में जबलपुर संभाग के तमाम प्रसिद्ध और लोकप्रिय इन्फ्लूएंसर्स शामिल हुए थे। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने संबोधित करते हुए कहा कि तकनीकी संचार के दौर में सोशल मीडिया की घर - घर के साथ ही सोशल मीडिया यूजरो तक पहुंच आसान हो गई हैं। पर्यटन विभाग और इन्फ्लूएंसर्स मिलकर मध्यप्रदेश के कौने कौने में स्थित प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक, धार्मिक स्थलों की अधिक से अधिक कंटेंट सोशल मीडिया पर शेयर करे, जिससे मध्यप्रदेश पर्यटन के शौकीन सैलानियों को आकर्षित करे और ज्यादा से ज्यादा लोग मध्यप्रदेश में स्थित पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने हेतु प्रेरित हो। जिससे प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगी।

प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें की थीम के साथ मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। एमबी पॉवर (मध्यप्रदेश) लिमिटेड जैतहरी परिसर में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर पर्यावरण पखवाड़ा का आयोजन किया गया। यह समारोह 27.05.2025 से 10.06.2025 तक मनाया गया। यह पखवाड़ा वर्ष 2025 की थीम ''प्लास्टिक प्रदुषण समाप्त करें '' पर केन्द्रित, जैतहरी बस स्टैंड से दीपक नगर टाउनशिप तक एक प्रदुषण जागरूकता रैली, ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी, पोस्टर पेंटिंग, नारा लेखन, भाषण, सामूहिक पौधारोपण जैसे कार्यक्रमों के संचालन के साथ आयोजित किया गया।

मानसिक अस्वस्थता को बताया जा रहा कारण, हर एंगल से जांच में जुटी पुलिस

मां और दो बच्चों के शव फांसी पर लटके मिले

एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से क्षेत्र में सनसनी

हरिभूमि न्यूज, मेंहदवानी डिंडौरी।

मेहदवानी थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक और रहस्यमयी घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। मेहदवानी मुख्यालय में एक ही परिवार के तीन सदस्यों — मां और दो मासूम बच्चों के शव घर के भीतर फांसी पर लटके पाए गए। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी का माहौल बना हुआ है।

घर पहुंचा तो टूटी दुनिया

घटना तब सामने आई जब घर के मुखिया राजेंद्र प्रजापति, जो मेहदवानी में चाय-नाश्ते की छोटी दुकान चलाते हैं, रोज़ की तरह देर शाम काम खत्म कर घर लौटे। जब उन्होंने दरवाजा खटखटाया तो भीतर से कोई जवाब नहीं मिला। दरवाजा अंदर से बंद था। आशंका गहराई तो उन्होंने दरवाजा तोड़कर भीतर प्रवेश किया। सामने जो दृश्य था, वह किसी भयावह सपने से कम नहीं था उनकी पत्नी मधु प्रजापति और दो छोटे बच्चे फांसी पर लटके हुए थे। उन्होंने तुरंत तीनों को नीचे उतारा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। सभी की मौत हो चुकी थी।

मानसिक स्थिति को बताया जा रहा वजह, लेकिन सवाल कई

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मृतका मधु प्रजापति पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव से गुजर रही थीं। हालांकि अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या का मामला माना है, लेकिन कोई भी एंगल खारिज नहीं किया जा रहा है। पुलिस ने घर को सील कर दिया है और हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है।

एफएसएल और डॉग स्क्वॉड कर रहे जांच, फॉरेंसिक सबूत जुटाए जा रहे

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) टीम और डॉग स्क्वॉड को मौके पर बुलाया। टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए हैं। पुलिस अधिकारी पूरे घटनाक्रम को संदिग्ध मानकर जांच कर रहे हैं कि यह मामला वास्तव में आत्महत्या का है या इसके पीछे कोई और गहरी साजिश छुपी हुई है।

पोस्ट मार्टम रिपोर्ट पर टिकी नजरें, पिता से हो रही पूछताछ

तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस ने राजेंद्र प्रजापति से पूछताछ कर रही है, ताकि घटनाक्रम के पीछे की वास्तविक कहानी सामने लाई जा सके।

गांव में पसरा मातम, हर आंख नम

घटना के बाद से ही पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। राजेंद्र और उनके परिजनों की स्थिति बेहद नाजुक है। किसी को भी विश्वास नहीं हो रहा कि मधु जैसी ममतामयी मां ऐसा कदम उठा सकती है। दोनों बच्चों की उम्र भी बेहद कम बताई जा रही है। एक बच्चा 6 साल का और दूसरा 4 साल का था।

पानी की किल्लत से जूझ रहे ग्रामीणों ने जबलपुर डिण्डौरी हाईवे में लगाया जाम जोगी टिकरिया के वनवासी टोला के ग्रामीण मार्ग में खाली बर्तन रख किया प्रदर्शन

डिण्डौरी

पानी की किल्लत से जूझ रहे ग्राम पंचायत हिनौता के जोगीटिकरिया के वनवासी टोला के ग्रामींणो ने डिण्डौरी जबलपुर हाईवे में शनिवार सुबह लगभग 9 बजे सड़क पर खाली बर्तन रखकर जाम लगा दिया । हालाकि महज आधे घंटे के भीतर जाम समाप्त हो गया लेकिन इस दौरान मार्ग में दोनो तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। जानकारी के अनुसार वनवासी टोला में लगभग 250 की आबादी है और वनवासी टोला में दो हैंडपंप सहित एक कुआ स्थित है लेकिन एक हैंडपंप पूरी तरह से ड्राई हो चुका है। वहीं कुंआ भी सूख चुका है मात्र एक हैंडपंप है जिसमें भी जल स्तर नीचे जा रहा है जिससे लोगों को एक दो बाल्टी पानी मिल पाता है। जिससे गुजारा नही हो पा रहा है बावजूद इसके लिए भी अल सुबह से ग्रामींणो को कतार लगाना पड़ता है। वनवासी टोला में अधिकतर परिवार के लोग मजदूर वर्ग से आते है और मजदूरी करने सुबह से डिण्डौरी नगर जाते है। ऐसी दषा में उन्हे पेयजल समस्या से जूझना पड़ रहा है। इस बावद ग्रामींणो ने ग्राम पंचायत और जिला स्तर पर भी पेयजल समस्या से निजात दिलाने के लिए गुहार लगा चुके है। लेकिन जब समस्या का हल नही हुआ तो शनिवार की सुबह लगभग 200 ग्रामीणो ने जोगीटिकरिया घाट में चक्का जाम कर विरोध प्रदर्षन किया । चक्का जाम की जानकारी लगने के बाद पीएचई विभाग के अधिकारी और शाहपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आन्दोलन कर रहे ग्रामींणो को समझाईष दी तब ग्रामींणो ने चक्का जाम समाप्त किया । ग्राम पंचायत के सचिव उमाकांत धूमकेती ने बतलाया कि वनवासी टोला में जल जीवन मिषन के तहत पाईप लाईन नही बिछाई गई है लेकिन एक बोर से पानी सप्लाई की जाती थी लेकिन लो वोल्टेज होने के कारण मोटर पंप संचालित नही होने के कारण ग्रामीणो को पेयजल उपलब्ध नही हो रहा है और स्थित हैंडपंप भी ड्राई हो चुका है। जिसके बाद ग्रामीणो ने यह कदम उठाया है। हालाकि ग्रामींणो को टेंकर के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था कर दी गई है। वहीं ग्रामींणो ने प्रदर्षन के दौरान नया ट्रांसफार्मर और एक बोर कराने की मांग रखी । जिस पर पीएचई के अधिकारी ने आष्वासन दिया कि मंगलवार तक वनवासी टोला में नवीन बोर कर पानी की व्यवस्था सुनिष्चित की जायेगी साथ ही विद्युत विभाग से भी नया ट्रांसफार्मर स्थापित करने के लिए कहा जायेगा जिसके बाद ग्रामींणो ने चक्का जाम समाप्त किया तब आवागमन बहाल हो सका है।

सरकारी धन की बंदरबांट पर कार्रवाई, सचिव को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया

डिंडौरी।

जनपद पंचायत शहपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत गुरैया में निर्माण कार्यों में गंभीर गड़बड़ियों और फर्जी भुगतान के मामले में पंचायत सचिव किशन लाल झारिया को निलंबित कर दिया गया है। जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार राठौर ने यह सख्त कार्रवाई करते हुए सचिव को शासकीय सेवा से तत्काल प्रभाव से निलंबित किया और उन्हें जनपद पंचायत शहपुरा में अटैच कर दिया गया है।

मनरेगा कार्य में फर्जी मस्टर रोल से भुगतान

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत गुरैया में वर्ष 2023-24 के दौरान मनरेगा योजना के अंतर्गत गैबियन स्ट्रक्चर निर्माण कार्य के लिए 5.08 लाख की राशि स्वीकृत की गई थी। सचिव द्वारा 57,450 की राशि मस्टर रोल के माध्यम से भुगतान कर दी गई, लेकिन जांच में पाया गया कि स्थल पर कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ है। यह जांच सहायक विकास विस्तार अधिकारी आर.के. सलवार और उपयंत्री सौरभ परोहा द्वारा की गई थी।

स्वागत द्वार निर्माण में भी मिली अनियमितता

इतना ही नहीं, पंचायती 5वें राज्य वित्त आयोग मद से निर्मित स्वागत द्वार के भुगतान में भी सचिव द्वारा नियमों की अनदेखी की गई। न तो पंचायत प्रक्रिया का पालन हुआ और न ही स्थल पर कार्य की मौजूदगी पाई गई। तकनीकी प्रतिवेदन के अनुसार भुगतान की पूरी प्रक्रिया में विसंगति सामने आई है।

कारण बताओ नोटिस का नहीं दिया जवाब

किशन लाल झारिया को दिनांक 2 जून 2025 को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर 3 दिन में स्पष्टीकरण देने को कहा गया था। लेकिन उन्होंने कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया। इसके बाद 5 जून को स्मरण पत्र भी भेजा गया, फिर भी सचिव की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई।

- नियमों का उल्लंघन, लापरवाही का गंभीर मामला

जिला प्रशासन ने इसे म.प्र. पंचायत सेवा (अनुशासन एवं नियंत्रण) नियम 2011 के तहत गंभीर उल्लंघन मानते हुए सचिव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उनके विरुद्ध वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना, कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही और वित्तीय अनियमितताओं के स्पष्ट प्रमाण सामने आए हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई को पंचायत व्यवस्था में पारदर्शिता लाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। साथ ही यह संदेश भी गया है कि शासकीय धन में गड़बड़ी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

शहपुरा क्षेत्र में तूफान हुआ भारी नुकसान

शहपुरा

शहपुरा क्षेत्र के रैपुरा गांव की एक दर्दनाक घटना के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां तेज आंधी और तूफान ने भारी तबाही मचाई है।जिला डिंडोरी के शहपुरा तहसील के रैपुरा क्षेत्र के गांव में आज शनिवार को लगभग 2:30 बजे तेज आंधी और तूफान ने भारी तबाही मचाई। चम्मर सिंह ओलाडी ग्राम रैपुरा के घर का छप्पर धराशाई हो गया, जिससे भारी नुकसान हुआ है।

चम्मर सिंह ओलाडी ने बताया कि तूफान की वजह से मेरा घर का छप्पर टूट गया, जिससे मुझे भारी नुकसान हुआ है। मैं शासन और प्रशासन से सहायता की गुहार लगाता हूं।

अब देखना होगा कि शासन और प्रशासन इस घटना में क्या संज्ञान लेती है और प्रभावित परिवारों को कितनी सहायता प्रदान करती है। हमें उम्मीद है कि प्रशासन जल्द ही इस मामले में कार्रवाई करेगी और प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करेगी।

डिंडोरी जिला के शहपुरा नगर परिषद में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के तबादले

शहपुरा

डिंडोरी जिला के शहपुरा नगर परिषद में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है, जिसके तहत चतुर्थ श्रेणी के तीन कर्मचारियों का तबादला किया गया है। यह तबादले नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मध्य प्रदेश भोपाल द्वारा प्रशासनिक कार्य सुविधा की दृष्टि से किए गए हैं।

आदेश के पालन की समय सीमा

प्रभावित कर्मचारियों को आदेश के अनुसार 07 दिवस के अंदर नवीन पद स्थापना स्थल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। यह समय सीमा प्रशासनिक कार्यों को सुचारु रूप से चलाने के उद्देश्य से निर्धारित की गई है।

प्रभावित कर्मचारियों की प्रतिक्रिया

प्रभावित कर्मचारियों ने तबादले के आदेश का पालन करने की बात कही है। वे अपने नए पदस्थापन स्थल पर जाकर अपनी जिम्मेदारियों को संभालने के लिए तैयार हैं। कर्मचारियों का कहना है कि वे प्रशासन के निर्णय का सम्मान करते हैं और अपने नए पद पर जाकर अपनी सेवाएं देंगे।

नगर परिषद की कार्यवाही

नगर परिषद प्रशासन ने तबादले के आदेश का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। प्रशासन का कहना है कि तबादले के आदेश का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों को बेहतर बनाना है और इससे नगर परिषद की कार्यक्षमता में सुधार होगा। शहपुरा नगर परिषद में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के तबादले प्रशासनिक कार्यों को सुचारु रूप से चलाने के उद्देश्य से किए गए हैं। प्रभावित कर्मचारियों को अपने नए पदस्थापन स्थल पर जाकर अपनी जिम्मेदारियों को संभालना होगा। नगर परिषद प्रशासन ने तबादले के आदेश का पालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

नरेगा के अमृत सरोवर में मछली पालन से मिला आजीविका का साधन आदिवासी महिलाएं मछली पालन से आय अर्जित कर हो रही हैं सशक्त

न्यूज।

महात्मा गांधी नरेगा से वर्ष 2020-21 में अमृत सरोवर का निर्माण जनपद अमरपुर की ग्राम पंचायत चांदपुर के पोषक ग्राम अमगांव में कराया गया। जल संरक्षण के उद्देश्य के साथ अमृत सरोवरों को बहु उद्देशीय बनाकर आजीविका संवर्धन के कार्यों से जोड़ने का लक्ष्य शासन स्तर से निर्धारित किया गया था। उपयोग कर्ता किसानों का समूह बनाकर मछली पालन,सिघाड़ा उत्पादन जैसे काम से जोड़कर स्थाई आजीविका बनाने का उद्देश्य मनरेगा योजना से किया जा रहा है। ग्राम पंचायत चांदपुर के सरपंच अमृत सिंह ने बताया की अमृत सरोवर में बारह महीने जल के भराव को देखते हुए स्थानीय आदिवासी महिला कृषकों के मां सरस्वती और मां लक्ष्मी स्व सहायता समूह को मछली पालन के कार्य के लिए चुना गया।जरूरी प्रशिक्षण और मछली का बीज देने के साथ महिला स्वसहायता समूह को ग्राम पंचायत द्वारा अमृत सरोवर में मछली पालन के लिए पांच वर्ष की लीज प्रदान की गई। समूह की महिलाओं ने इस दौरान बताया की वर्ष 2023 में समूह द्वारा 6500 रुपए का मछली का बीज अमृत सरोवर में डाला गया,जिसमे रोहू,कतला,मृगाल के बीज शामिल थे।जून 2024 में 1.5 क्विंटल और मई 2025 में 217 किलो मछली का उत्पादन कर समूह द्वारा विक्रय किया जा चुका है जिससे लगभग 80 हजार से अधिक की आय हो चुकी है।समूह की आदिवासी महिलाएं बताती हैं की पहले समूह में ज्यादा काम नही होता था लेकिन अमृत सरोवर में मछली पालन के काम से जुड़ने के बाद उन्हें मजदूरी के कार्य के साथ अतिरिक्त आय भी मिलने लगी है।स्थानीय स्तर पर मछली के खरीददार मिल जाने से उन्हें भटकना नहीं पड़ता।

13 जून 25 को अंतिम मत्स्य आखेट किया गया जिसमे 70 किलो मछली निकाली गई।समूह की प्रगतिशील महिला सदस्यों के कार्य और अमृत सरोवर के निर्माण को देखने मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनिल कुमार राठौर ग्राम अमगांव पहुंचे।इस दौरान उन्होंने स्व सहायता समूह की महिलाओं से बात चीत की उनके प्रयास और समस्या से अवगत हुए।परियोजना अधिकारी मनरेगा प्रदीप कुमार शुक्ल को मछली विभाग के योजनाओं से जोड़कर अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने को कहा साथ ही सरपंच अमृत सिंह और उपयंत्री उमेश भोरगड़े को अमृत सरोवर के आस पास वृक्ष रोपण कार्य स्वीकृत कराने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

सिद्धार्थ बने अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्टेशन देव हनुमान मंदिर टेस्ट में समिति के सदस्यों द्वारा बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम हनुमान जी महाराज की पूजा कर बैठक का शुभारंभ किया बैठक में सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किया ट्रस्ट के अध्यक्ष जगदीश भाई मानसाता के निधन होने से यह पद खाली था ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा अध्यक्ष पद हेतु उनके बेटे सिद्धार्थ मानसाता मनोनीत किया गया सभी सदस्यों ने माल्यार्पण एवं पगड़ी पहन कर उनका स्वागत किया गया इस अवसर पर सिद्धार्थ मानसाता के द्वारा सभी के प्रति आभार व्यक्त कर आपने मंदिर हित के लिए हमेशा आगे आकर जो प्रभु इच्छा होगी वह अच्छे से अच्छा कार्य करने में अपनी हमेशा सहभागिता देंगे प्रभु इच्छा ही ऐसी शक्ति है जो हमें प्रभु सेवा में लीन रखने के लिए आगे रखती है आज प्रभु की कृपा से ही मुझे यह सौभाग्य प्राप्त है जो की आने वाले समय में मंदिर हित के लिए कार्य कर सकूंगा इस समिति में उपाध्यक्ष नरेश अग्रवाल कैलाशचंद नेमा सचिव सतीश नेम कोषाध्यक्ष संतोष नेमा बनाए गए हैं।

हत्या की आशंका को लेकर पुलिस अधीक्षक को दिया आवेदन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस पुलिस अधीक्षक को लिखित आवेदन देकर थाना क्षेत्र कोतवाली निवासी पति परशु ठाकुर ने मांग की गई कि पत्नी लगभग एक माह से घर गायब है यदि वह किसी और के साथ रहना चाहती है तो रह सकती है लेकिन मेरी हत्या ना कराए मुझे इससे कोई आपत्ति नही है। क्योकि अभी हाल मे ऐसी घटना भी हो रही है। मेरी पत्नि मेरी हत्या करवा सकती है।

16 जून को करेली में आयोजित होगा युवा संगम कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला स्तरीय स्वरोजगार अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार के अवसर के लिए युवा संगम कार्यक्रम का आयोजन जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय करेली में 16 जून 2025 को प्रातः 10.30 बजे से किया जायेगा। कार्यक्रम में शासन की विभिन्न स्वरोजगार मूलक योजनाओं के ऋण वितरण के पत्र जारी किये जायेंगे। विभिन्न विभागों द्वारा स्वरोजगार मूलक योजनाओं के बारे में जानकारी दी जायेगी। इसके साथ ही विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा अभ्यर्थियों का चयन कर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जायेंगे। इच्छुक आवेदक अपने समस्त दस्तावेजों के साथ कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ ले सकते हैं। जिले की विभिन्न निजी क्षेत्र के नियोक्ता, जिन्हें अपनी कम्पनी शोरूम एवं अन्य प्रतिष्ठित निजी संस्थाओं के लिए कर्मचारियों की आवश्यकता है, वे भी मेला स्थल पर अपना स्टॉल लगा सकते हैं और आवश्यकतानुसार चयन कर जिले के बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार उपलब्ध करा सकते हैं। यह जानकारी प्रभारी जिला रोजगार अधिकारी नरसिंहपुर ने दी है।

द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया जारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नरसिंहपुर में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया के पश्चात रिक्त रह गई सीटों पर द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। कक्षा 10 वीं व 12 वीं के विद्यार्थी संस्था में उपस्थित होकर प्रवेश ले सकते हैं। प्राचार्य शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नरसिंहपुर ने बताया कि कक्षा 10 वीं व 12 वीं के विद्यार्थी महाविद्यालय में संचालित ब्रॉच इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजी., कम्प्यूटर साईस एंड इंजी., मार्डन ऑफिस मैनेजमेंट में प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश लेने पर विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर भविष्य में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद हटा अतिक्रमण

धमना में हटाया गया अतिक्रमण

तहसीलदार तीन आरआई व 11 पटवारी रहे मौजूद

हरिभूमि न्यूज़ -नरसिंहपुर। गिवत दिवस जिला मुख्यालय से तकरीबन 8 किलोमीटर दूर स्थित धमना गांव मे अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई गई। उक्त कार्रवाई में राजस्व अमले व पुलिस की टीम ने सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। बताया गया कि अतिक्रमण को हटाने के लिए हाईकोर्ट से आदेश मिला था। नायब तहसीलदार अंकित मौर्य ने के अनुसार मामला वर्ष 2023 का है। शिकायतकर्ता कैलाश पटेल ने इसकी शिकायत की थी। जिसके बाद तहसीलदार न्यायालय ने संबंधित अतिक्रमण कर्ताओं को अवैध कब्जे हटाने के आदेश दिए थे लेकिन अतिक्रमण नहीं हटा।

हाईकोर्ट में लगाई थी याचिका

मामले मे बताया गया कि धमना निवासी रामनारायण सोनी द्वारा प्रकरण को लेकर हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर कर दी थी। जिस पर सुनवाई पूरी होने के बाद बीती 20 मई को अतिक्रमण हटाने के आदेश मिले थे। इसके अनुपालन में बीते गुरुवार को सभी अतिक्रमण कर्ताओं को तहसीलदार कार्यालय में बुलाकर बैठक की गई थी। सभी से अपने-अपने अतिक्रमण हटाने कहा गया था, जिसे लगभग सभी ने मान लिया था। विगत दिवस तीन आर आई, 11 पटवारियों की टीम के साथ वे भी मौके पर गए। यहां पर कुल 8 अतिक्रमण चिन्हित थे। जिनमें गुटखा-पान आदि की दुकानें थीं।

जेसीबी से हटाया पक्का निर्माण

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान तहसीलदार तीन आर आई व 11 पटवारी व ठेमी थाने का पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। कुल आठ अतिक्रमण चिन्हित थे जिनमें दो पक्के निर्माण भी थे जिन्हे जेसीबी से हटाया गया। जबकि अन्य अस्थाई अतिक्रमण को दुकानदारों ने खुद ही हटा लिया। पूरी कार्रवाई शांतिपूर्वक रही। ठेमी थाने का पुलिस बल भी यहां पूरे समय मौजूद था। शाम को अतिक्रमण हटाने की रिपोर्ट एसडीएम मणिंद्र कुमार सिंह को नायब तहसीलदार ने सौंपी।

हाईकोर्ट ने दिया था आदेश

उक्त मामले मे अधिवक्ता उत्कर्ष पचौरी द्वारा बताया गया कि याचिकाकर्ता द्वारा पूर्व मे भी तहसीलदार के समक्ष अपनी भूमि का नापजोख कर अतिक्रमण हटाने के लिए आवेदन दिया गया था जिस पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नही की गई। याचिका दायर होने के बाद सुनवाई करते हुए न्यायाधीश प्रणय वर्मा की न्यायालय द्वारा अधिवक्ता के तर्कों से सहमत होते हुए फैसला सुनाते हुए अतिक्रमण को शीघ्र हटाने के निर्देश एसडीएम व तहसीलदार को दिए गए। बताया गया कि ग्राम के ही लोगों द्वारा निजी भूमि पर अतिक्रमण कर लिया गया था। प्रशासन के अधिकारियों व पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण को हटाया गया।

गांव में अवैध शराब बिक्री बंद करने की मांग, महिलाओं ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में गोटेगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले झांसीघाट टीला गांव की महिलाओं ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए शनिवार शाम को एकजुट होकर थाना पहुंचकर मोर्चा खोल दिया। ग्रामीण महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक के नाम एक ज्ञापन थाना प्रभारी को सौंपते हुए गांव में अवैध शराब की बिक्री पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने की मांग की गई। महिलाओं का कहना है कि गांव में धड़ल्ले से बिक रही अवैध शराब का बुरा असर खासकर महिलाओं, बच्चों और विद्यार्थियों पर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि शराब के नशे में लोग आए दिन विवाद खड़े करते हैं, जिससे विवाह समारोह जैसे शुभ अवसरों में भी अशांति फैल रही है और गांव का वातावरण दिन-ब-दिन खराब होता जा रहा है। ज्ञापन सौंपने पहुंची महिलाओं ने प्रशासन से मांग की कि इस पर तुरंत प्रभाव से कार्रवाई की जाए, ताकि गांव में शांति और सामाजिक मर्यादा बनी रह सके। महिलाएं अपनी इस लड़ाई को आगे भी जारी रखने की चेतावनी दे रही हैं, यदि अवैध शराब बिक्री पर रोक नहीं लगाई गई।

शासकीय राशन में घुसकर सेल्समैन से मारपीट

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के तेंदूखेड़ा क्षेत्र की सहकारी सेवा समिति डोभी में शनिवार को राशन वितरण के दौरान चार नशे में धुत युवक सोसाइटी के अंदर घुस आए और वितरण कार्य कर रहे कर्मचारी के साथ जमकर मारपीट करने लगे। इस पूरी घटना का वीडियो एक ग्रामीण ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, पीड़ित ने मामले की शिकायत तेंदूखेड़ा थाने में की है वहीं पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, राशन सेल्समेन मूलचंद पटेल डोभी सोसाइटी में नियमित रूप से राशन वितरण का कार्य कर रहे थे। उसी दौरान चार युवक, जो शराब के नशे में धुत थे, वहां पहुंचे और बिना किसी वजह के गाली-गलौज करते हुए झूमाझटकी करने लगे। आरोप है कि आरोपियों ने सोसाइटी की कुर्सियाँ भी तोड़ डालीं और मूलचंद पटेल के साथ बेरहमी से मारपीट की। घटना के बाद पीड़ित मूलचंद पटेल ने तेंदूखेड़ा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वायरल वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि किस तरह समूह में आए हमलावर कर्मचारी को पीटते नजर आ रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों पर जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों में घटना को लेकर रोष व्याप्त है और उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

सड़क दुघर्टना में व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस नेशनल हाइवे मे बकौरी के पास हुई सड़क दुर्घटना मे व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान ना होने के कारण शव को सुरक्षित रखा गया। जब मृतक घर नही पहुंचा तो छानबीन की और जिला अस्पताल पहुंचकर शव की पहचान लक्ष्मी प्रसाद पिता गनपत उम्र 65 वर्ष निवासी झारखुरपा थाना स्टेशनगंज के रूप मे की गई। पुलिस ने मर्ग प्रकरण तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

शासकीय आईटीआई में प्रवेश के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 16 तक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले की समस्त शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान- आईटीआई नरसिंहपुर, गाडरवारा, गोटेगांव, तेंदूखेड़ा व बावई चीचली में सत्र 2025- 26 के लिए विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश के लिए इच्छुक आवेदक 16 जून तक प्रवेश के लिए अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। इच्छुक आवेदक एमपी ऑनलाइन सेंटर के माध्यम से अथवा स्वयं के माध्यम से प्रवेश के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के पश्चात च्वाइस फिलिंग करना अनिवार्य है। प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नरसिंहपुर ने बताया कि आवेदक द्वारा 16 जून तक रजिस्ट्रेशन, त्रुटि सुधार और इच्छित संस्थाओं तथा व्यवसायों की प्राथमिकता क्रम का चयन करना होगा। इसके अलावा 17 जून तक कॉमन रैंक आवेदकों के लॉगिन पर प्रदर्शित की जायेगी। कॉमन रैंक पश्चात त्रुटि सुधार के लिए आवेदकों द्वारा पोर्टल पर स्वयं के लॉगिन पर जाकर त्रुटि सुधार किया जा सकेगा। यह कार्य 18 जून तक किया जा सकता है। प्रथम चयन सूची डिस्प्ले करना (आवेदकों को एसएमएस द्वारा सूचित) करने का कार्य 23 जून को किया जायेगा। प्रथम चयन सूची के आवेदकों का प्रवेश- आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता आवंटित संस्था में उपस्थित मूल दस्तावेजों का सत्यापन व प्रवेश 24 जून से 26 जून तक किया जायेगा। अपग्रेड के साथ द्वितीय चयन सूची एक जुलाई को जारी किया जायेगा। द्वितीय चयन सूची के आवेदकों का प्रवेश 2 जुलाई से 4 जुलाई तक किया जायेगा।

श्री राम आरण्यक में आयोजित हुई जल व पर्यावरण संगोष्ठी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल व पर्यावरण संरक्षण पर मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में विकासखंड करेली के अंतर्गत ग्राम चिनकी के श्री राम आरण्यक में संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी के पश्चात एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत संयुक्त रूप से पौधरोपण कर लोगों को पर्यावरण का संरक्षण दिया। यहां आयोजित संगोष्ठी के दौरान बताया गया कि राज्य सरकार 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चला रही है। इस दौरान ग्रामीणों को जल के प्रति जागरूक करने की जिम्मेदारी हम सभी की है। हम सभी को आने वाली पीढ़ी के लिए आज से ही जल बचाना होगा। आने वाले समय में बरसात के दिनों में हम सभी को जल का संरक्षण करना होगा। जल संरक्षण के माध्यम से सभी को पानी उपलब्ध होगा और भू- जल स्तर में सुधार होगा। इस अवसर पर नवांकुर संस्था पिपरहा व रमपुरा, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति चिनकी, गायत्री परिवार के अध्यक्ष, सचिव व सदस्य और ग्रामीणजन मौजूद थे। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत मप्र जन अभियान परिषद विकासखंड चीचली के अंतर्गत जनशक्ति सेवा समिति उकासघाट द्वारा पौधरोपण किया। समिति के सदस्यों व बच्चों ने फलदार एवं छायादार के कुल 27 पौधों का रोपण किया।

रक्तदान महादान को लेकर दिलाई गई शपथ

तेंदूखेड़ा। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर संत मोनी सर्वोदय महिला महाविद्यालय में 2 एमपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी की छात्राओं के द्वारा एनसीसी अधिकारी कैप्टन रोमी मालवीय एनसीसी कैडेट्स पूर्व एनसीसी अधिकारी प्राचार्य कमल कुमार शास्त्री एवं समस्त महाविद्यालय स्टाफ के द्वारा रक्तदान करने की शपथ ली गई। तथा रक्त दान के महत्व को विस्तार से बताया गया। इससे बड़ा कोई दान भी नहीं होता। जरूरत मंदों की मदद करने से उनको नया जीवन भी मिल जाता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए समय समय पर लगने वाले शिविरों के माध्यम से हमें हमारे ब्लड ग्रुप का भी पता रखना बहुत जरूरी होता है।यह कार्यक्रम संस्था प्रबंध निदेशक डॉ. प्रकाश जैन एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर किरण प्रभा जैन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

पहले राशन लेने को लेकर सेल्समेन के साथ सोसाइटी में घुसकर मारपीट

चार आरोपियों पर मामला दर्ज

तेन्दूखेड़ा। समीपी ग्राम डोभी में शनिवार के सुबह-सुबह सहकारी सेवा समिति डोभी में राशन वितरण के दौरान राशन बांट रहे मूलचन्द पटेल के साथ गांव के चार लोगों ने जमकर लात घूसों से मारपीट कर डाली यहां तक की सोसायटी में रखी कुर्सियां भी उठा उठा कर मारपीट के चलते तोड़ डाली। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सेवा सहकारी समिति में सेल्समैन मूलचंद पटेल के द्वारा प्रत्येक माह की भांति सोसाइटी में राशन वितरण किया जा रहा था। उसी दौरान गांव के ही चार लोग शराब के नशे में सोसाइटी में आये और पहले राशन देने की करने लगे। सेल्समैन ने कहा कि भाई लाइन में लग जाईये और भी लोग खड़े हुए हैं सभी लाइन से आकर ले रहे हैं यहां तक कि महिलाएं भी पहले से खड़ी हुई है। लेकिन आरोपियों को यह बात ठीक नहीं लगी ऊंची आवाज में गाली गलौज करते हुए राशन पहले लेने की बात करते हुए भीड़ से आगे आकर सेल्समैन से झूमा झटकी करने लगे बात ज्यादा बढ़ती गई और सेल्समैन पर चारों टूट पड़े यहां तक कि सहयोग के लिए बैठे सेल्समैन मूलचंद पटेल के पुत्र मयंक पटेल के साथ भी मारपीट की गई।कुर्सी उठाकर मारी गई और राशन वाली मशीन के साथ भी तोड़ फोड़ कर डाली। मौके पर खड़े कुछ लोगों ने इस पूरे मामले की वीडियो बना डाली और सौशल मीडिया पर डाल दी विषय जंगल की आग की तरह संपूर्ण क्षेत्र में फैल गया। सेल्समैन ने तेंदूखेड़ा पुलिस थाने पहुंच कर जानकारी देते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई मौके पर पुलिस ने पहुंचकर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जिसमें राजाराम पिता गनेश मेहरा आशीष पिता गोविंदा कुशवाहा पुरुषोत्तम पिता नारायण ठाकुर तथा नीलेश पिता हल्कई कहार सभी डोभी पर बीएन एस की धारा 296 115(2)351(3)3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। घटना को लेकर प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि उक्त लोगों द्वारा आये दिन तरह-तरह की घटनाओं को अंजाम देकर दहशत का माहौल फैलाया जाता है।

जमीनी जल स्तर बढ़ाने की दिशा में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की जरूरत

तेंदूखेड़ा। लगातार जमीन की कोख से और परम्परागत जल स्त्रोतों से पानी खींचे जाने का सिलसिला जारी बना हुआ है। लेकिन इन जल स्त्रोतों में पानी डाले जाने की दिशा में सार्थक प्रयास नहीं हो रहें हैं। और ना ही जमीनी जल स्तर बढ़ाने की दिशा में कोई सार्थक प्रयास भी नहीं हो रहे हैं। यहां तक कि क्षेत्रीय नदी नालों के साथ कुआ बावड़ियों के संरक्षण के म प्र की जीवनरेखा कहलाने वाली नर्मदा नदी से भी बड़ी संख्या में पानी लिया तो जा रहा है लेकिन इसमें जल बढ़ाने की दिशा में कोई भी उचित पहल नहीं हो रही है।या विभिन्न अभियानों के माध्यम से केवल फोटो खिंचवाने और कागजी घोड़े दौड़ाये जा रहे हैं। जगह-जगह पक्के सड़क मार्ग बन जाने के बाद से जल स्त्रोतों का पानी या बरसात का पानी सीधा जमीन में ना जाकर बह जाता है।इस पानी को रोकने जमीन के भीतर पहुंचाये जाने की दिशा में मिलकर काम करने की जरूरत आ गई है। यदि समय रहते नहीं चेत पाये तो गंभीर रूप से स्थिती निर्मित हो जायेगी।

शासकीय भवनों में जरूरी हो वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

शासन लाखों करोड़ों अरबों रुपए खर्च करके बड़े आलीशान भवन तो बनवा रहा है। लेकिन इनके एक भी भवन में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम देखने को नहीं मिलता। यदि इन्हीं भवनों में ही यह सिस्टम बनने लगेंगे तो निश्चित तौर पर बहुत सा पानी जमीन के भीतर समाने लगेगा। चूंकि लोग भी अपनी सुविधानुसार आलीशान मकानों में तरह तरह की व्यवस्था कर रहा है। सबसे पहले धरती को चीर कर पानी की व्यवस्था करता है। लेकिन निस्तार या बरसात के पानी को सहेजने की दिशा में कोई भी उचित कार्रवाई नहीं करते।

गांवों के कुआं बाबडी बन गये कचड़ा दान

सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्तिथि तो बनीं हुई है कि पूर्व में लोग अपने गांवों में एक कुआ बावड़ियों का निर्माण जरुर करवाते थे इनके संरक्षण को लेकर धार्मिक मान्यताओं से जोड़ दिया जाता था लेकिन अब लोग इतने सुविधा भोगी हो गये हैं कि इनकी साफ सफाई की बात तो दूर का विषय है इनमें कचड़ा डाल कर इनका अस्तित्व ही मिटा डाला है। इन जल स्त्रोतों में पानी भरा रहने से आस पास का जमीनी जल स्तर भी बढ़ा रहता है और हेडपंप भी चलते रहते हैं।

नहीं बन पा रहे स्टाप डेम

एक और महत्वपूर्ण विषय यह भी है कि तेंदूखेड़ा क्षेत्र में बरांझ पांडाझिर सिंदूर नदियों पर कहीं भी स्टाप डेम नहीं बन पा रहे हैं।स्टाप डेम बनने से पानी भराव की स्थिति के चलते जमीनी जल स्तर बढ़ने और हेंडपंपों में पानी के साथ विभिन्न प्रकार के निस्तार होते रहते हैं। मवेशियों को पीने का पानी फसलों को समय पर पानी की व्यवस्था भी इनसे बन जाती है।